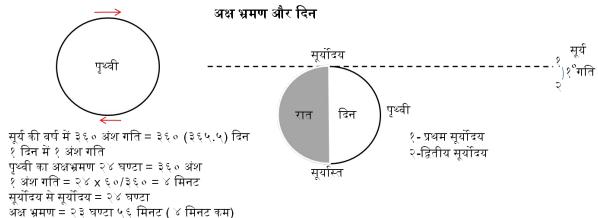
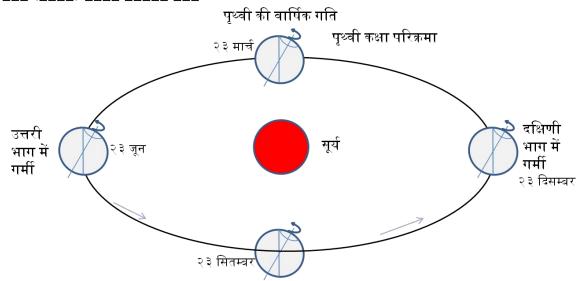
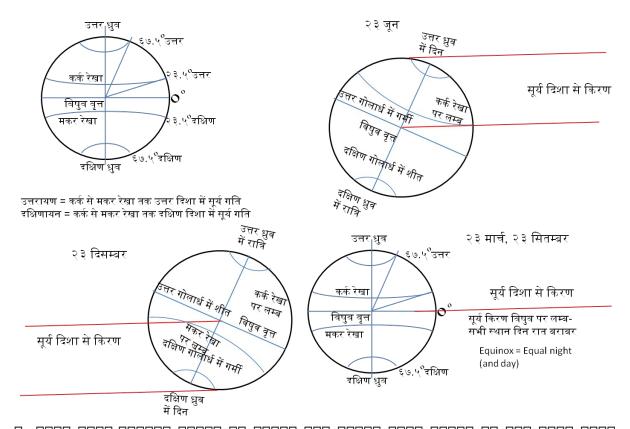
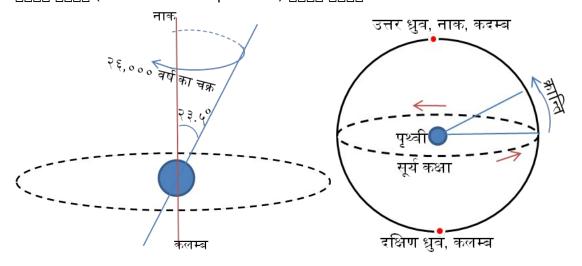
-0000 00000 0000000

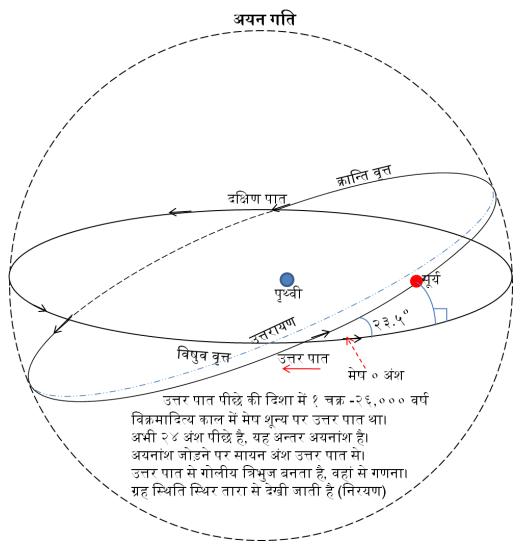
- oxdots . DD00000-000000 00.0 000 000 000000 00 000000 000
- 0. 000-0000 00 000 000 00 000 0000

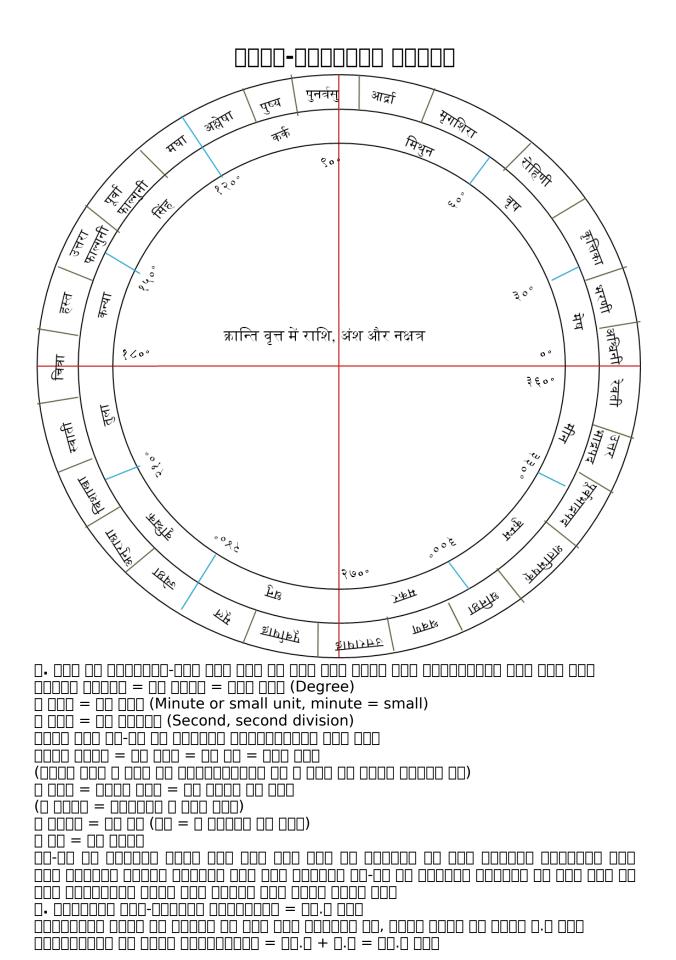


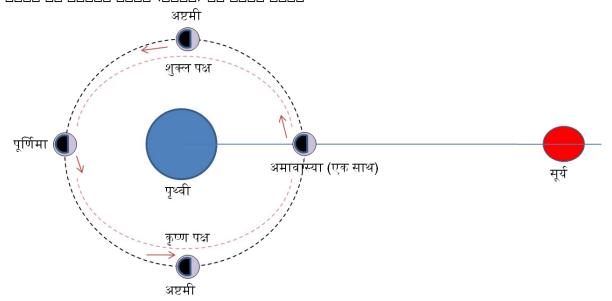












00000000-000 00 000 000 000

```
000000 000000 000 00 000000, 0000 = 0000 00000 00 0000 0000 00000
00-0) 000 0 0000000 = 000000 000000 0 000 (0-0)
(0) 0000 00 00 00 000000 00 00 000000 000 000 000 000 00 000 00
000 00 0 0000 0000 00 000 00-000000 000 000 0
(a) a aaca aa aac aac aaca aa aacaaa a aaca aac aac aaca
0000, 00000 0000, 00000 00000
```

चान्द्र मास

अधिक शुद्ध

चैत्र |वैशाख | ज्येष्ठ |आषाढ़ | श्रावण |भाद्रपद |भाद्रपद |आश्विन | कार्त्तिक |मार्गशीर्ष | पौष | माघ |फाल्गुन भिष मास विषय मास मिथुन मास कर्क मास मिह मास कित्या मास तुला मास विश्विक मास धनु मास मकर मास कुम्भ मास मीन मास भेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुम्भ मीन

सूर्य संक्रान्ति

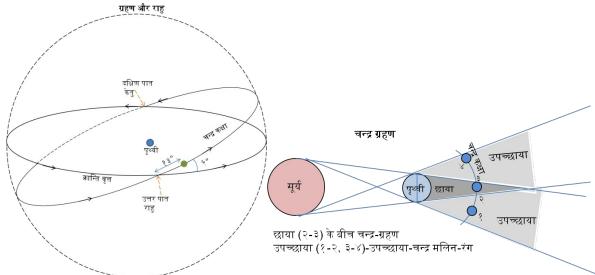
00000 = 0000 00 0000 = 00000

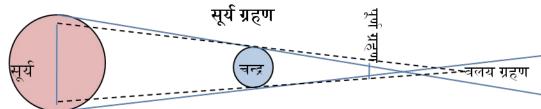


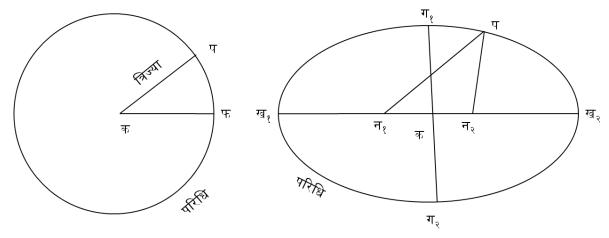
```
□□□ □□□□ = Hour
000 D 
ППП
◘◘ ◘◘◘ ◘٠٠ ◘◘ ◘◘◘◘◘ ◘◘◘ ◘◘ (◘◘◘◘ ◘◘ ◘◘◘◘◘) ◘◘◘◘◘◘ ◘◘ ◘◘◘◘◘ ◘
```

000 = (000000 - 00000) / 0 000

00000 00 00000 000-00000, 000000000-0000000, 0000 00000 000000 00000 000-00000000





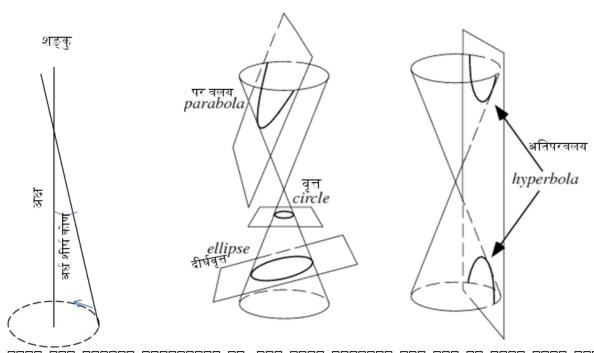


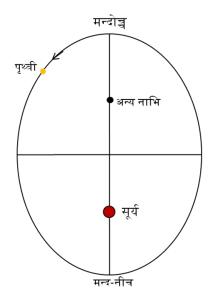
वृत्त- क = केन्द्र, कप = त्रिज्या

दीर्घवृत्त-ख_१ख_२ = बृहद् अक्ष, ग_१ग_२ = लघु अक्ष, न_१, न_२ = नाभि,

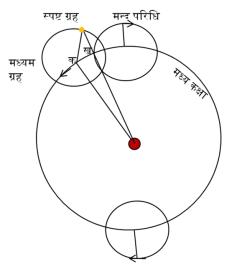
शङ्कु और उसके छेद

गुरुत्व क्षेत्र में वृत्त में गति अपसारक बल = गुरुत्व गति थोड़ा अधिक होने पर दीर्घवृत्त गुरुत्व सीमा से बाहर निकलने की गति-परवलय उससे भी अधिक गति -अतिपरवलय वृत्त की गति से कम होने पर वह केन्द्र के निकट जायेगा। गति बढ़ जाने से निकट कक्षा में। बहुत कम होने से केन्द्र में लीन।

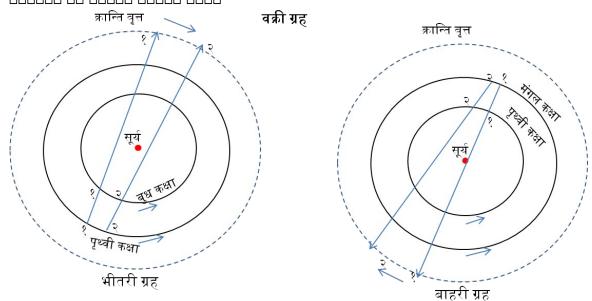




सबसे दूर का विन्दु उच्च है तथा वहां ग्रह सबसे मन्द रहता है अतः यह मन्दोच्च है। इस का विपरीत विन्द मन्द-नीच है।



मध्यम ग्रह एक काल्पनिक ग्रह है जो कक्षा वृत्त पर घड़ी की सूई की विपरीत दिशा में समान गति से चलता है। मध्य ग्रह के केन्द्र से एक छोटा वृत्त मन्द-परिधि है जिस पर स्पष्ट ग्रह विपरीत दिशा में उसी गति से चलता है। केवल मध्य गति के कारण ग्रह क दिशा में रहता, पर मन्द परिधि पर की गति के कारण वह ख विन्दु पर दीखता है। स्पष्ट ग्रह का स्थान ख मन्दोच्च की दिशा में खिसक गया है, अतः कहा जा ता है कि मन्दोच्च द्वारा ग्रह आकर्षित होते हैं।



```
П
(\Box\Box\Box)
  П
   \square\square\square\square\square\square = \square)
ППП
ППП
\Pi\Pi\Pi.\Pi
   \Pi.\Pi\Pi\Pi
   \Pi.\Pi\Pi
П
  ППП
\Pi.\Pi\Pi
   П.П
00-000 0000 000
(a) 000000 00000 00 0000 00-0000 000 00
(a) acadaa adada acada oo ada adaa oo-acadaada oo acada
```

ПΠ

युग-चक्र

3					
चक्र	क्रम	ई.पू.वर्ष युग	। आरम्भ		(ग्लेसिअल) टिप्पणी
अन्धयुग प्रथम	अवरोही	६१,९०२	सत्य	शीत युग	६९२०० (पूर्व काल का त्रेता)
		५७,१०२	त्रेता	जलप्लावन	५८,१००-मणिजा युग, च्युति गणना के अनुसार कई सूक्तों का काल
		५३,५०२	द्वापर		(पं. दीनानाथ शास्त्री चुलेट का वेद-काल-निर्णय, इन्दौर, १९२५)
	<u>8</u>	५१,१०२	कलि		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
			कलि		
	आरोही	४८,७०२	द्वापर		
		४६,३०२	त्रेता	शीतयुग	४५,५००
		४२,७०२ ४२,७०२	नता सत्य	सातपुरा	3 - 1, - 1, - 1
स्वायम्भुव आद्य युग	अवरोही				
		३७,९०२	सत्य		
		३३,१०२		जलप्लावन	
		२९,५०२	द्वापर		आद्य त्रेता-ब्रह्मा (२९.१०२)-वराह कल्प
		२७,१०२	कलि		<mark>↑</mark> २७,३७६-ध्रुव <mark>्</mark> निधन-०ध्रुव संवत्सर
	आरोही	२५,९०२	कलि		
		२४,७०२	द्वापर		(४३x३६० <mark>=१६०००) </mark>
		२२,३०२	त्रेता	शीतयुग	२०,००० १८२७६- ध्रुव् -१, क्रौञ्च प्रभुत्व
		१८,७०२	सत्य	Ū	
वैवस्वत वर्तमान	अवरोही	१३,९०२	सत्य		१३९०२-वैवस्वत मनु
		९,१०२	_	जलप्लावन	M
		५,५०२	द्वापर		२८x ३६०= १०,८०० े
		३१०२	कलि		३१०२-कॅलि ध्रुव-३ ३०७६-लौकिक या सप्तर्षि-३
	आरोही	१,९०२	कलि		इसके पूर्व महावीर ११-२-१९०५ ई.पू., ३१-३-१८८७ सिद्धार्थ बुद्ध
		७०२	द्वापर		७५६-शूद्रक, ६१२-चाहमान, ४५६-श्रीहर्ष, ५७ विक्रम् संवत्
		१,६९९ ई .	त्रेता		७८ ईशालिवाहन शक, २८वां आन्ध्र राजा ३७६ ई.पूसप्तर्षि-१
		५,२९९ ई .	सत्य		१७००-त्रेता सन्ध्या-औद्योगिक क्रान्ति, २०००-त्रेता-सूचना विज्ञान

DODDOOD DODDOOD OO ODDOOD DOO ODDOO O \circ O ANDO AND AND AND ANDO A.A.A. ANDONANA (ANDA A.A.A.) AN ANDANANA ППП

- 0.0000-0000 0000 00 000 00000 0.000 00000 00000 00000

- (D) DDDDDDDD-0000 00 000 000 0000000 000000 00-0-0000 0.00. 00

- 00. 000000 00-000 0.00. 000 (00000 000000 00/0)-0000000 000000 000000 0000000

- 00-000000 00000000

- (a) 00000 (0000 00 00000-00000000, 000000)-0000 a, 000 000 000 00000 000000-00000 00000 00000